इकाइयों के निर्माण पर कितनी राशि खर्च की गई है?

शहरी कार्य और रोजगार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बंडारू दत्तात्रेय): (क) जी, हां।

(ख) और (ग) प्राधिकरण के अनुमोदन से अक्टूबर, 1995 में त्रिलोकपुरी के पाकेट-बी में उन 220 फ्लैटों को ढहाने का निर्णय लिया गया था, जिनके निर्माण में 173 लाख रुपये की लागत आयी थी और जिन्हें बाद में घटिया दरजे का निर्माण होने के कारण असुरक्षित घोषित कर दिया गया था।

Shifting of subordinate Central Government Offices

904. MISS MABEL REBELLO: Will the Minister of URBAN AFFAIRS AND EMPLOYMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that some subordinate Central Government Offices are in the process of shifting to Ghaziabad, Faridabad and Gurgaon and the residential flats for Government employees have already been built in the National Capital Region (NCR); and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF URBAN AFFAIR AND EMPLOYMENT (SHRI BANDARU DATTATREYA): (a) and (b) Yes, Sir. The details of Central Government Offices proposed to be shifted outside Delhi and the residential flats built in the National Capital Region are given in the enclosed Statement. (*See* below). No General Pool flats have been built at Gurgaon.

Statement

(1) *Details of Central Govt. Offices proposed to be shifted outside Delhi.*

S. No.	Name of Office	where to shift
1.	Coast Guard (HQs)	NOIDA (Earlier at Ghaziabad)
2.	Research & Development Centre Postal Department.	Ghaziabad
3.	Directorate of inspection, Northern Circle, Department of Supply.	Ghaziabad
4.	National Crime Records Bureau under Ministry of Home Affairs.	Any Delhi Metropolitan Town
5.	Department of Light Houses & Light Ships.	NOIDA
6.	Central Institute of Research & Training in Employment Service, Ministry of Labour.	NOIDA
7.	Commissioner of Payment of Department of Industrial Development.	Any suitable location like Gurgaon
8.	Department of Publication	Faridabad
9.	National Academy of Customs Excise & Narcotics.	Faridabad
10.	All India Soil & Landuse Survey, Department of Agriculture & Cooperation.	NOIDA
11.	National Capital Region Planning Board.	NOIDA

(2) *Details of General Pool Flats avilable at:*

TYPE	FARIDABAD	GHAZIABAD
I	478	176
II	832	480
III	304	132
IV	140	24
V	52	8
VI	16	—
TOTAL	1822	820

त्वरित शहरी जल आपूर्ति कार्यक्रम के अधीन योजनाएं

905. श्री ओंकार सिंह लखावत: क्या शहरी कार्य और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राजस्थान सरकार की बीस हजार से कम आबादी (1991 की जनगणना के अनुसार) वाले कस्बों पर लागू त्वरित शहरी जल आपूर्ति कार्यक्रम के तहत कितनी योजनाएं सरकार के पास स्वीकृति हेतु विचाराधीन है तथा उनका ब्यौरा क्या है; और

(ख) केन्द्र सरकार द्वारा उक्त योजनाओं को कब

तक अनुमोदित कर दिया जाएगा?

शहरी कार्य और रोजगार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बंडारू दत्तात्रेय): (क) जी, हां। वर्ष 1991 की जनगणना के अनुसार 20,000 से कम आबादी वाले शहरों के लिए 342.12 लाख रुपये की अनुमानित लागत पर त्वरित शहरी जल आपूर्ति कार्यक्रम (ए यू डब्ल्यू एस पी) के तहत राजस्थान सरकार ने 3 स्कीमें भेजी हैं जो केन्द्र सरकार के पास स्वीकृति के लिए जांचाधीन है। स्कीमों के विवरण इस प्रकार हैं:—

क्र०सं०	शहर का नाम	जिला	आबादी	परियोजना लागत (लाख रु० में)
1.	मनोहर थाना	झालवार	7156	128.07
2.	बागु	जयपुर	15509	134.09
3.	पांवरी	सिरोही	9091	79.20
			योग	342.12

(ख) ए यू डब्ल्यू एस कार्यक्रम के तहत स्कीमों का अनुमोदन शहरी कार्य और रोजगार मंत्रालय के लिए केन्द्रीय योजना के तहत कार्यक्रम के लिए निधियों का नियमन और स्कीमों की प्रौद्यो-आर्थिक की व्यवहार्यता पर निर्भर करेगा।

प्रत्येक नागरिक के लिए आवास एवं आवासीय भूखंड

906. **श्री ओंकार सिंह लखावत:** क्या शहरी कार्य और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश के शहरी क्षेत्रों में आवास एवं आवासीय भूखंडों की आवश्यकता के संबंध में कोई सर्वेक्षण करवाया है, यदि हां, तो यह कब कराया गया था;

(ख) शहरी क्षेत्र में कुल कितने इच्छुक लोग आवास तथा भूखंड विहीन हैं तथा राजस्थान में इनकी संख्या कितनी है;

(ग) क्या सरकार ने प्रत्येक नागरिक के परिवार को आवास या आवासीय भूखंड देने का कोई लक्ष्य निर्धारित किया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

शहरी कार्य और रोजगार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बंडारू दत्तात्रेय): (क) देश में शहरी क्षेत्रों में मकानों और रिहायशी प्लाटों की आवश्यकताओं का आंकलन करने के लिए कोई सर्वेक्षण नहीं किया गया। तथापि 1991 की जनगणना के अनुसार वर्ष 1991 में देश के शहरी क्षेत्रों में 8.23 मिलियन आवास की कमी थी। एन बी ओ के आंकलन के अनुसार 2001 तक 6.64 मिलियन हो जाएगी।

(ख) 1991 की जनगणना के अनुसार देश में शहरी क्षेत्रों में आवास रहित परिवारों की संख्या 2.17 लाख थी जबकि राजस्थान में यह केवल 8000 थी।

(ग) और (घ) शासन के लिए राष्ट्रीय एजेंडा के अनुसार गरीबों और असहायों पर विशेष ध्यान देते हुए प्रत्येक वर्ष 2 मिलियन अतिरिक्त मकानों का निर्माण किया जाना है। इसमें से 7 लाख रिहायशी मकान शहरी क्षेत्रों में बनाए जाएंगे।

कानपुर में गंगा नदी पर बहुउद्देश्यीय परियोजना

907. **श्री मनोहर कान्त ध्यानी:** क्या शहरी कार्य और रोजगार मंत्री 6 जुलाई, 1998 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 2275 के दिये गये उत्तर को देखें और यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने योजना आयोग के अनुमोदन के बाद कानपुर में गंगा नदी पर बहु-उद्देशीय परियोजना को स्वीकृति प्रदान कर दी है;

(ख) क्या लागत का 50 प्रतिशत व्यय केन्द्र द्वारा वहन करने के विषय में कोई अन्तिम निर्णय ले लिया गया है; और

(ग) क्या उत्तर प्रदेश सरकार ने केन्द्र द्वारा दी जाने वाली धनराशि का प्रावधान करना शुरू कर दिया है;